

भा.कृ.अनु.प.—केंद्रीय कापूस संशोधन संस्था, नागपूर
कापसाच्या लागवडीसाठी ७ ते १३ डिसेंबर २०१५ या कालावधीसाठी आठवडी सल्ला

“हा सल्ला राज्यातील कृषी विद्यापीठाकडून प्राप्त माहितीवर आधारित आहे”

हवामानासंबंधी सल्ला

| दिनांक | डिसेंबर मधील पाऊस (मि.मी मधे) | | | | | | | सल्ला |
|-------------------|-------------------------------|---|---|----|----|----|----|---|
| | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| महाराष्ट्र | | | | | | | | |
| नागपूर | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | अकोला आणि अमरावती जिल्हयातील काही भागात सेंद्रिय बोंडअळीचा प्रारुंभाव नमुद करण्यात आला आहे, तरी शेतकऱ्यांना पिकांचा कालावधी पुढे न वाढवता तो संपुष्टात आणण्याचा सल्ला देण्यात येत आहे. वेचलेली कपाशीची साठवणुक ही स्वच्छ कापडाच्या पिशवीमध्ये केली की नाही याची खात्री करूण घ्यावी. कापूस साठवण्यासाठी गोणपाटाच्या पिशवीचा वापर टाळावा. कपाशीच्या कवड्या, झाडाचे अवशेष तसेच रोगग्रस्त बियाणे साठवुण ठेऊ नये. कवड्या किंवा झाडाचे अवशेष जाळण्यापेक्षा त्याला कुजवुन त्याचे खत तयार करणे लाभदायक ठरते कपाशीची वेचणी ही शक्यतेवढया लवकर करूण घ्यावी. |
| वर्धा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| चंद्रपूर | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| यवतमाळ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| अमरावती | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| अकोला | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| बुलढाणा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| परभणी | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| नांदेड | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| बीड | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| वाशिम | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| धुळे | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| जळगांव | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| जालना | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| औरंगाबाद | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |